मैंने अर्ज़ी लिख दी बाबा | By Parveen Dhiman

मैंने अर्ज़ी लिख दी बाबा तेरे दरबार में
बस मोहर लगा दो अपनी खड़ा इंतज़ार में
मैंने अर्ज़ी लिख दी बाबा .....

इस अर्ज़ी में लिखा है तू ध्यान से पढ़ ले
हाँ कुछ भी छूट ना जाए, मेरा मान तू रख ले
मेरा मान तू रख ले.....
मत करना बाबा देरी कुछ सोच विचार ले
बस मोहर लगा दो अपनी खड़ा इंतज़ार में
मैंने अर्ज़ी लिख दी बाबा .....

मेरे रस्ते में सांवरिया कांटे ही कांटे पड़े
जब ये पैरो में चुभते मेरे आंसू निकल पड़े
मेरे आंसू निकल पड़े.....
मेरे दिल से आह निकलती क्या कमी है प्यार में
बस मोहर लगा दो अपनी खड़ा इंतज़ार में
मैंने अर्ज़ी लिख दी बाबा .....

सारे कहते हैं मुझको तू श्याम दीवाना है
सबको कहता है तू तो खाटू में ठिकाना है
खाटू में ठिकाना है .....
खुद पहले बात बना तू पहले सरकार से
बस मोहर लगा दो अपनी बैठे इंतज़ार में
मैंने अर्ज़ी लिख दी बाबा तेरे दरबार में
बस मोहर लगा दो अपनी खड़ा इंतज़ार में
मैंने अर्ज़ी लिख दी बाबा .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%85%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a5%80-%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%96-%e0%a4%a6%e0%a5%80-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-by-parveen-dh/